राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 14 | मुंबई : बुधवार 04 फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

महाराष्ट्र : मुख्यमंत्री फडणवीस की पहल पर मजबूत होंगे किसान,

5000 महिला किसानों को मिलेगी ट्रेनिंग

महाराष्ट्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और महिला किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने की दिशा में शिंदे-फडणवीस सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड और महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं.

इस तीन वर्षीय साझेदारी के तहत राज्य के 9 प्रमुख कपास उत्पादक जिलों– नागपुर, अमरावती, यवतमाल, वाशिम, परभणी, जलगांव, बीड, अकोला और नांदेड की महिला किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा. लगभग 50,000 एकड़ क्षेत्र में फैली 5,000 से अधिक महिला किसान और 100 स्वयं सहायता समूह (SHGs) पहले चरण में इस योजना का हिस्सा बनेंगे. अगले तीन वर्षों में इस पहल का दायरा 500 से अधिक स्वयं सहायता समूहों तक बढ़ाया जाएगा, जिसमें कपास के अलावा मक्का और अन्य फसलें भी शामिल होंगी.

प्रशिक्षण और तकनीक पर विशेष फोकस

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026' की पृष्ठभूमि में शुरू किए गए इस उपक्रम के तहत महिला किसानों को 'अच्छे कृषि अभ्यास' (GAP) और 'एकीकृत कीट प्रबंधन' (IPM) का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उत्पादन लागत कम होगी और आय बढ़ेगी. गोदरेज एग्रोवेट द्वारा प्रशिक्षण कार्यशालाएं, 'किसान फील्ड स्कूल', प्रदर्शन खेत (Demo Plots) और सुरक्षा किट उपलब्ध कराए जाएंगे. 'उमेद' अभियान अपने 'कृषि सखी' नेटवर्क के माध्यम से महिला किसानों को संगठित करने और समन्वय का कार्य करेगा.

यह पहल महिला किसानों को केवल खेती तक सीमित न रखकर उन्हें बाजार के अवसरों और सटीक निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन की गई है. सरकार का उद्देश्य है कि महिलाएं आधुनिक तकनीक से जुड़कर राज्य की जीडीपी में अपना सक्रिय योगदान दें.

'किसान राज्य की रीढ़ हैं'

ट्वीट के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ''महाराष्ट्र के किसान हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं. हजारों परिवारों का नेतृत्व आज सक्षम महिलाएं कर रही हैं. यह समझौता महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है.'' उन्होंने विश्वास जताया कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पद्धतियों से महिला किसान आत्मनिर्भर बनेंगी.

वियतनाम में 'द सेकंड यूएस इन्वेजन प्लान' का खुलासा;

क्या फिर होगी अमेरिका से जंग ?

सेना की चल रही गुप्त तैयारी

वियतनाम और अमेरिका के बीच पिछले साल रिश्तों में आई ऐतिहासिक सुधार की खबरों के बीच एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एक आंतरिक सैन्य दस्तावेज से यह बात सामने आई है कि वियतनाम की सेना अमेरिका को एक 'बेलिजरेंट' शक्ति मानती है और एक संभावित अमेरिकी युद्ध की तैयारी कर रही है। यह रिपोर्ट मानवाधिकार संगठन 'द 88 प्रोजेक्ट' द्वारा जारी की गई है जो वियतनाम के भीतर चल रही सैन्य और राजनीतिक हलचलों का विश्लेषण करती है।

'द सेकंड यूएस इन्वेजन प्लान'

अगस्त 2024 में वियतनाम के रक्षा मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए इस दस्तावेज का शीर्षक 'द सेकंड यूएस इन्वेजन प्लान' रखा गया है। यह दस्तावेज सुझाव देता है कि अमेरिका और उसके सहयोगी चीन को रोकने के लिए अपरंपरागत युद्ध और सैन्य हस्तक्षेप का सहारा ले सकते हैं। दस्तावेज में चेतावनी दी गई है कि जो देश अमेरिकी 'कक्षा' से बाहर जाते हैं उन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण किया जा सकता है। वियतनामी सैन्य योजनाकारों का मानना है कि भले ही वर्तमान में युद्ध का जोखिम कम हो लेकिन अमेरिका के 'लड़ाकू स्वभाव' को देखते हुए उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है ताकि वॉशिंगटन हमले के लिए कोई 'बहाना' न बना सके।

'कलर रिवोल्यूशन' का डर

रिपोर्ट के लेखक बेन स्वैंटन के अनुसार, वियतनामी नेतृत्व के भीतर यह केवल एक विचार नहीं बल्कि पूरी सरकार में एक सहमति है। हनोई को सबसे बड़ा डर कलर रिवोल्यूशन का है जैसे कि 2004 में यूक्रेन की ऑरेंज रिवोल्यूशन या फिलीपींस की येलो रिवोल्यूशन हुई थी। वियतनामी सेना का मानना है कि अमेरिका मानवाधिकारों, लोकतंत्र और धर्म के मूल्यों को थोपकर वहां की समाजवादी सरकार को उखाड़ फेंकना चाहता है। दिलचस्प बात यह है कि वियतनाम के लिए चीन एक क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी तो है लेकिन वे उसे अमेरिका की तरह 'अस्तित्वगत खतरा' नहीं मानते। नेशनल वॉर कॉलेज के प्रोफेसर जाचरी अबुजा का कहना है कि चीनी जानते हैं कि वे वियतनाम को एक हद तक ही दबा सकते हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वियतनामी सरकार कमजोर दिखी तो वहां जनविद्रोह हो सकता है।

चाय की दुकान के कर्मचारी की बेरहमी से हत्या!

पुलिस ने जांच शुरू की...

मुंबई : दादर इलाके में एक 26 साल के चाय की दुकान पर काम करने वाले लड़के का बेरहमी से मर्डर कर दिया गया, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अंशु सोनलाल वर्मा के रूप में हुई है, जो दादर वेस्ट में एक चाय की दुकान पर काम करता था। 31 जनवरी-1 फरवरी की घटनाओं का टाइमलाइन शिकायतकर्ता अक्षय मारुति पाटिल, 26, जो कामगार नगर, न्यू प्रभादेवी रोड का रहने वाला है, द्वारा दर्ज FIR के अनुसार, उसके पिता गोखले रोड, दादर वेस्ट पर आशीष इंडस्ट्रीज के सामने एक चाय की दुकान चलाते हैं। अंशु वर्मा उस दुकान पर बीरेंद्र श्रीबहादुर पाल और वसंत पांडुरंग सपकाल के साथ काम करता था। कामगारों के लिए कामगार नगर में एक किराए के कमरे में रहने का इंतजाम किया गया था। 31 जनवरी, 2026 की रात, लगभग 11.30 बजे, अक्षय को उसके दोस्त राहुल गावड़े से एक फोटो मिली, जिसमें अंशु कामगार नगर गेट के पास बेहोश पड़ा था, कथित तौर पर शराब के नशे में। राहुल ने बाद में अक्षय को बताया कि अंशु को जगाकर उसके कमरे में वापस भेज दिया गया था और अंशु का मोबाइल फोन उसे सौंप दिया गया था।

ईस्टर्न फ्रीवे पर तेज रफ़्तार कार से मुंबई पुलिस कांस्टेबल बुरी तरह घायल

मुंबई : मुंबई की सड़कों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात एक और पुलिसकर्मी तेज रफ़्तार गाड़ी का शिकार हो गया है। पुलिस कांस्टेबल सुशांत मोहन मोरे, जो फ्रीवे राइडर के तौर पर तैनात थे, ईस्टर्न फ्रीवे पर ड्यूटी के दौरान एक तेज रफ़्तार कार की टक्कर से बुरी तरह घायल हो गए। इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई, जिससे पुलिस विभाग और पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। हादसा रे रोड रैंप के पास हुआ

यह घटना 28 जनवरी, 2026 की शाम करीब 7:40 बजे ईस्टर्न फ्रीवे के नॉर्थबाउंड लेन पर रे रोड रैंप पोस्ट के पास हुई। कांस्टेबल मोरे अपनी ड्यूटी कर रहे थे, तभी एक तेज रफ़्तार कार के ड्राइवर ने कथित तौर पर गाड़ी से कंट्रोल खो दिया और पुलिस राइडर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोरे के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। वह मौके पर ही गिर गए और बहुत ज्यादा खून बहने लगा। उन्हें तुरंत गंभीर हालत में सायन अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्हें क्ठव में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद, मोरे ने लगभग पाँच दिनों तक ज़िंदगी के लिए संघर्ष किया और सोमवार, 2 फरवरी, 2026 को सुबह करीब 3 बजे चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।

सोशल मीडिया पर अफवाह...

12 बच्चों के सामूहिक लापता होने या मानव तस्करी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं...

मुंबई : हाल ही में सोशल मीडिया पर एक खबर तेजी से वायरल हुई, जिसमें दावा किया गया कि पिछले 36 घंटों के अंदर 12 नाबालिग बच्चे लापता हो गए हैं। इनमें 8 लड़कियां शामिल हैं। ये बच्चे मुंबई के सात अलग-अलग पुलिस थाना क्षेत्रों जैसे शिवाजी नगर, साकीनाका, अंटॉप हिल, ओशिवारा, मानखुर्द, बांगूर नगर और घाटकोपर से गायब बताए गए। इस खबर ने शहर में व्यापक दहशत फैला दी, क्योंकि लोगों ने इसे मानव तस्करी से जोड़कर देखा। कई मीडिया हैंडल्स और प्रभावशाली लोगों ने इसे शेयर किया, जिससे जनता में हाई अलर्ट और रेड अलर्ट की मांग बढ़ गई। सोशल मीडिया पर लोग पुलिस और मीडिया से सवाल करने लगे व बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। अफवाहों के चलते बाजारों, रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों पर तलाशी अभियान की बातें भी फैलीं, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। इस अफवाह वाली खबर के बाद मुंबई पुलिस ने आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया। पुलिस ने एक्स पर बयान जारी कर साफ कहा कि वे इन दावों को पूरी तरह नकारते हैं और कोई ऐसा हाई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

पुलिस ने कहा, ''कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स लापता और अपहरण के मामलों के डेटा को गलत तरीके से पेश कर अफवाहें फैला रहे हैं। हम इन दावों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं।''पुलिस ने अपने बयान में क्या कहापुलिस ने यह भी चेतावनी दी कि जानबूझकर झूठी जानकारी फैलाकर जनता में दहशत पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिसमें FIR दर्ज करना शामिल है। पुलिस ने इसे अफवाह फैलाने की श्रेणी में रखा और लोगों से ऐसी सूचनाओं पर विश्वास न करने की अपील की। यह घटना सोशल मीडिया पर अफवाहों के खतरों को उजागर करती है, जहां बिना सत्यापन के खबरें तेजी से फैलकर समाज में भय पैदा कर सकती हैं। वास्तव में 12 बच्चों के सामूहिक लापता होने या मानव तस्करी की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई एकसमान घटना नहीं है और अफवाहें आधारहीन हैं।

मुंबई : गलत पार्किंग की वजह से आग बुझाने या बचाव कार्य में देरी होती है...

तो वाहन मालिक पर दर्ज की जाएगी एफआईआर

मुंबई : मुंबई में अनधिकृत पार्किंग अब भारी पड़ सकती है। अगर किसी वाहन की गलत पार्किंग की वजह से आग बुझाने या बचाव कार्य में देरी होती है, तो वाहन मालिक पर सीधे एफआईआर दर्ज की जाएगी। बीएमसी कमिश्नर भूषण गगराणी ने इसको लेकर साफ निर्देश जारी किए हैं।

जान बचाने के काम में रुकावट अब बर्दाश्त नहीं

मुंबई फायर ब्रिगेड को अक्सर आग या आपदा की जगह पर पहुंचने में अनधिकृत पार्किंग की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़कों के किनारे खड़े वाहन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का रास्ता रोक देते हैं, जिससे बचाव कार्य में देरी होती है। बीएमसी का कहना है कि इससे जान-माल का नुकसान बढ़ने का खतरा रहता है, जो बेहद गंभीर मामला है।

फायर ब्रिगेड अधिकारी दर्ज कराएंगे केस

बीएमसी के आदेश के मुताबिक, अगर किसी आग या आपदा की घटना में यह साबित होता है कि अनधिकृत पार्किंग की वजह से फायर ब्रिगेड के काम में देरी हुई है, तो संबंधित अधिकारी उस वाहन की फोटो और रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज करेंगे। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति लेकर सीधे पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। BMC प्रशासन का मानना है कि इस सख्त कदम से लोग सड़कों पर गलत तरीके से वाहन खड़े करने से बचेंगे। इससे फायर ब्रिगेड को मौके पर जल्दी पहुंचने में मदद मिलेगी और रेस्क्यू ऑपरेशन ज्यादा प्रभावी तरीके से हो सकेगा। बीएमसी ने यह भी साफ किया है कि अगर नागरिक अनधिकृत पार्किंग को लेकर शिकायत करते हैं, तो उसे संबंधित पुलिस स्टेशन, ट्रैफिक पुलिस या विभागीय कार्यालय को भेजा जाएगा। शिकायत करने वाले नागरिक को कार्रवाई की जानकारी भी दी जाएगी। यह जानकारी मुंबई फायर ब्रिगेड के प्रमुख अधिकारी रविंद्र अंबुलगेकर ने दी है।

मुंबई : सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर 250 रुपये जुमार्ना लगेगा: बृहन्मुंबई महानगरपालिका

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने सोमवार को संशोधित स्वच्छता उपनियमों के तहत जुमार्ने की अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर थूकने और कूड़ा फेंकने पर क्रमशः 250 रुपये और 500 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर जानवरों या पक्षियों को खाना खिलाना और सार्वजनिक क्षेत्रों में बर्तन, कपड़े या अन्य सामान धोने पर क्रमशः 500 रुपये और 300 रुपये का जुमार्ना लगेगा।

सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग न करने पर पहली बार में 200 रुपये का जुमार्ना लगेगा और सार्वजनिक स्थानों पर वाहन धोने पर 500 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। बृहन्मुंबई

महानगरपालिका (बीएमसी) ने सोमवार को अपने संशोधित ठोस अपशिष्ट (प्रबंधन और संचालन), स्वच्छता और सफाई उपनियम 2025 के तहत जुमार्ने की एक अनुसूची अधिसूचित की, जिसमें विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों के लिए 200 रुपये से लेकर 25,000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया गया है।

नगर निगम ने उपनियमों के तहत 21 अपराधों की पहचान की है, जिनमें खुले में पेशाब करना, सार्वजनिक स्थानों पर वाहन धोना, कचरा जलाना, सार्वजनिक स्थानों पर जानवरों को खिलाना और निर्माण मलबे का अनुचित निपटान शामिल है। मुंबई को स्वच्छ और स्वास्थ्यकर रखने के लिए इन अपराधों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई : नाबालिग लड़कियों के साथ मारपीट और जबरन गर्भपात के आरोप... 4 पर पोक्सो के तहत केस दर्ज

मुंबई : मलाड के मालवानी इलाके में एक ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर में दो नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। संस्था के डायरेक्टर पर लड़कियों का यौन शोषण करने और एक मामले में जबरन अबॉर्शन कराने का आरोप है। सेंटर के डायरेक्टर, मैनेजर और दो अन्य कर्मचारियों के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है, जिसमें यौन शोषण की धाराएं भी शामिल हैं।

सभी चार आरोपियों को वॉन्टेड घोषित कर दिया गया है, और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक खास ऑपरेशन शुरू किया है। मैनेजर पर खास तौर पर एक पीड़ित का अबॉर्शन कराने का आरोप है, जबकि दो अन्य कर्मचारियों पर उसका यौन शोषण करने और दूसरे आदमियों से हमले में मदद करने का आरोप है। गुरुवार को सामने आई इस घटना से वहां रहने वालों में गुस्सा है। कथित अपराध 24 जनवरी, 2024 और 6 फरवरी, 2025 के बीच मलाड के मालवानी में एक रिहैबिलिटेशन सेंटर में हुए थे। पीड़ितों में से एक, मानखुर्द की 16 साल की लड़की ने कहा कि जब वह सेंटर में थी, तो डायरेक्टर ने बार-बार उसका और उसकी एक दोस्त का यौन शोषण किया। उसने कथित तौर पर उन्हें चुप रहने की धमकी दी। चेकअप के दौरान, उसके प्रेग्नेंट होने की पुष्टि हुई। फिर उसने उसे दवा दी जिससे अबॉर्शन हो गया।

इस बीच, सेंटर के दो अन्य कर्मचारियों पर उसी पीड़ित का यौन शोषण करने और दूसरे पुरुषों को भी ऐसा करने के लिए उकसाने का आरोप है। डायरेक्टर, मैनेजर और दो कर्मचारियों पर दोनों लड़कियों का लगातार मानसिक और शारीरिक शोषण करने का आरोप है। और शोषण सहने में असमर्थ, पीड़ित ने पुलिस से संपर्क करने का फैसला किया। 29 जनवरी को, वह मालवानी पुलिस स्टेशन गई और घटना की रिपोर्ट की। उसकी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

मुंबई : यात्री ने मुंबई लोकल में फर्स्ट-क्लास टिकट के गलत इस्तेमाल की शिकायत

मुंबई : मुंबई लोकल में बिना वैलिड टिकट या पास के सफर करने वाले पैसेंजर कोई नई बात नहीं है। कई यात्री पीक आवर्स में बहुत ज्यादा भीड़ होने की वजह से ऐसा करते हैं, जिससे वे बिना किसी की नजर में आए डिब्बों में घुस जाते हैं। इस लगातार समस्या पर चिंता जताते हुए, एक यात्री ने सोशल मीडिया पर मुंबई लोकल ट्रेनों के फर्स्ट-क्लास डिब्बों में लगातार भीड़भाड़ की बात उठाई, और आरोप लगाया कि सेकंड-क्लास टिकट पर सफर करने वाले यात्री फर्स्ट-क्लास डिब्बों का बड़े पैमाने पर गलत इस्तेमाल कर रहे हैं।

एक पोस्ट में, यूजर प्रज्ञा गुप्ता ने फर्स्ट-क्लास डिब्बे में भीड़ पर अपनी निराशा शेयर की, और दावा किया कि इन डिब्बों में चढ़ने वाले बहुत से यात्रियों के पास वैलिड फर्स्ट-क्लास टिकट या पास नहीं होते हैं। उन्होंने टिकट-चेकिंग के असर पर सवाल उठाते हुए पूछा, ''TCs रखने का क्या मतलब है अगर वे मुंबई में लोकल में सफर करने वाले लोगों की समस्या का 2% भी नहीं बदल सकते''

और निराशा जताते हुए, गुप्ता ने लिखा कि उन्होंने ''फर्स्ट-क्लास डिब्बे में इतना थर्ड-क्लास व्यवहार कभी नहीं देखा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि असली फर्स्ट-क्लास यात्रियों के साथ अक्सर बुरा बर्ताव होता है। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग फर्स्ट-क्लास पास के लिए ज्यादा पैसे देते हैं, उन्हें अक्सर बिना इजाजत वाले यात्री परेशान करते हैं। उन्होंने इस स्थिति को ''बहुत बुरा'' बताया और अधिकारियों से सख्त कार्रवाई करने की अपील की।

शिकायत का जवाब देते हुए, ऑफिशियल रेलवे सेवा हैंडल ने कहा कि मामले को जरूरी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा दिया गया है। फर्स्ट-क्लास डिब्बों में बिना इजाजत यात्रा की समस्या ने मुंबई के सबअर्बन रेल नेटवर्क को लंबे समय से परेशान किया है।

मुंबई से पुणे 48 मिनट में, बोरीवली से चर्चगेट जितना ही लगेगा समय, जानिए हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की खास बातें

मुंबई : केंद्रीय बजट में महाराष्ट्र के लिए गुड न्यूज दी गई। मुंबई से पुणे के बीच रेलयात्रा अब केवल 48 मिनट में पूरी हो सकेगी। ऐसा इसलिए कि केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री ने जिन हाई स्पीड रेल कॉरिडोर्स का ऐलान किया है, उनमें मुंबई-पुणे कॉरिडोर भी है। यानी इन दोनों शहरों के बीच बुलेट जैसी ट्रेनें चलेंगी। अभी दोनों शहरों की रेल से दूरी 4 घंटे है। बड़ी संख्या में लोग हर दिन मुंबई- पुणे आना-जाना करते हैं। हाई स्पीड ट्रेन से उन्हें राहत मिलेगी। इसकी संभावित रफ्तार 300 से 320 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। कॉरिडोर शुरू होने से आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

मुंबई से पुणे के बीच का यात्रा समय अब केवल 48 मिनट का हो जाएगा, क्योंकि केंद्रीय बजट 2025 -26 में इन दोनों शहरों के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का ऐलान किया गया है। बता दें कि इस रूट पर यात्रा करने वालों की संख्या हमेशा से ही ज्यादा रही है। विभिन्न यात्रा के साधन से लोग इस मार्ग पर आना-जाना करते हैं।

320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी बुलेट ट्रेन

ऐसे कई लोग है जो हर दिन मुंबई-पुणे आना-जाना करते है। ऐसे में बुलेट ट्रेन शुरू होने पर उन्हें काफी राहत मिलेगी। जितने समय में लोग बोरीवली से चर्चगेट पहुंचते हैं, उतने समय में ही लोग मुंबई से पुणे

पहुंच जाएंगे। बताया जा रहा है कि बुलेट ट्रेन की संभावित रफ्तार 300 से 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।।

उद्योग, व्यापार और शिक्षा क्षेत्र को लाभ

इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर शुरू होने से न सिर्फ यात्रा का समय काफी कम होगा, बल्कि दोनों मार्गों पर आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मुंबई-पुणे-हैदराबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर से आईटी, उद्योग, व्यापार और शिक्षा क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा। तीनों शहर देश के प्रमुख आर्थिक और तकनीकी केंद्र है, ऐसे में तेज और भरोसेमंद कनेक्टिविटी से निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही सड़क और हवाई यातायात पर बढ़ते दबाव में भी कमी आएगी।

मुंबई-पुणे के बीच रोज गुजरते हैं करीब 43 हजार वाहन

हर दिन मध्य रेलवे की तरफ से सुबह 5 स्पेशल ट्रेन चलाई जाती है, जिसमें वंदे भारत भी शामिल है। लेकिन फिर भी ट्रेन की टिकट कन्फर्म होना संभव नहीं हो पाता। इसी के साथ लोग सड़क मार्ग मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से भी यात्रा करते है। कुछ प्राइवेट वाहन से तो कुछ बस और शेयरिंग कैब से इस रूट पर यात्रा करते है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर प्रतिदिन औसतन 43 हजार वाहनों कानआवागमन होता है।

मुंबई-पुणे हाई स्पीड ट्रेन की 5 खास बातें..

1. मुंबई से पुणे एक घंटे से भी कम समय में पहुंचेगे। यह बड़ी राहत है।
2. ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलेगी। हाइवे पर जाम आम है।
3. कॉरिडोर की वजह से खुलेंगे रोजगार के नए अवसर।
4. आईटी, उद्योग, व्यापार और शिक्षा क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा।
5. मौजूदा रेल और रोड का भार होगा कम।

पालघरः पुलिस ने एक दशक बाद बिछड़े परिवार को मिलाया

पालघर : अधिकारियों ने रविवार को बताया कि लंबे समय से पेंडिंग मामलों को फिर से खोलने और सुलझाने के लिए चलाए गए एक खास ऑपरेशन के बाद पुलिस ने एक आदमी को उसके परिवार से 10 साल बाद मिलवा दिया है। 2016 से लापता प्रवीण पवार (39) नाम का यह आदमी 2016 में अपने माता-पिता से झगड़े के बाद पालघर जिले में अपने घर से चला गया था। तब से वह लापता था, जबकि उसके परिवार ने उसे ढूंढने की बहुत कोशिश की थी।

पवार, जो मूल रूप से अहिल्यानगर का रहने वाला है, जब लापता हुआ था, तब वह पालघर जिले के विक्रमगढ़ में एक अस्पताल में काम करता था। घर छोड़ने के बाद उसने अपने परिवार से सारा संपर्क खत्म कर दिया था, जिससे उसके परिवार को लगभग 10 सालों तक उसके बारे में कुछ पता नहीं चला। ऑपरेशन मुस्कान में सफलता यह सफलता ऑपरेशन मुस्कान-14 के तहत मिली, जो पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख द्वारा पुराने और अनसुलझे मामलों को फिर से देखकर लापता बच्चों और वयस्कों को ढूंढने के लिए शुरू किया गया एक खास कार्यक्रम है। इस अभियान के तहत, पुलिस टीमों ने पवार का मामला फिर से खोला और आधुनिक जांच तकनीकों का इस्तेमाल करके नई लीड पर काम करना शुरू किया।

मुंबई : एयरक्राफ्ट सीट के नीचे छिपाया सोना पकड़ा... मुंबई एयरपोर्ट पर यात्री गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट कस्टम अधिकारियों ने हाल ही में दुबई से आ रही एक इंटरनेशनल फ्लाइट में एक पैसेंजर की सीट के नीचे छिपा हुआ सोना वाला एक पैकेट जब्त किया है। सीट पर बैठे पैसेंजर की पहचान कर ली गई और उसे तब पकड़ा गया जब वह बिना कोई घोषणा किए ग्रीन चैनल पार कर गया था। दिलचस्प बात यह है कि पैसेंजर ने कस्टम अधिकारियों को बताया कि उसे नहीं पता था कि स्मगल किया हुआ सोना एयरक्राफ्ट से कैसे निकाला जाना है और इसलिए वह बिना पैकेट के चला गया, लेकिन उसकी किस्मत साथ नहीं दी क्योंकि उसे एयरपोर्ट परिसर में कस्टम ने पकड़ लिया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान प्रणव पाटिल (28) के रूप में हुई है, जो सांगली का रहने वाला है। एयरक्राफ्ट से पैकेट बरामद कस्टम सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन सिक्योरिटी स्टाफ से पक्की जानकारी मिली थी कि दुबई से मुंबई आ रही एक इंटरनेशनल फ्लाइट में एक पैसेंजर की सीट के नीचे काले रंग का टेप लगा हुआ पैकेट छिपा हुआ मिला था। इसके अनुसार, कस्टम अधिकारी एयरक्राफ्ट के पास गए और सिक्योरिटी और इंजीनियरिंग स्टाफ की मौजूदगी में सीट के नीचे से पैकेट बरामद किया। बरामद पैकेट में सोना होने का शक था। ग्रीन चैनल के बाद पैसेंजर को पकड़ा गया

बरामद पैकेट को कस्टडी में लेकर उरटक एयरपोर्ट के अराइवल हॉल में लाया गया। इस बीच, सीट पर बैठे पैसेंजर, प्रणव पाटिल की पहचान कर ली गई और उसे बिना कोई डिक्लेरेशन दिए ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोक लिया गया। पैसेंजर ने बरामद पैकेट को अपना बताया। पैकेट खोलने पर, 24-कैरेट सोने की धूल वाला एक ट्रांसपेरेंट पाउच मिला। जब्त किए गए सोने की धूल की कुल कीमत 1.77 करोड़ रुपये आंकी गई। स्वीकृति और जांच कस्टम को दिए अपने बयान में, पाटिल ने माना कि उसे जब्त सोने की जानकारी थी, उसे अपने पास रखा था, उसे छिपाया था और जानबूझकर अपने हैंडलर, जिसकी पहचान सिर्फ. प्रतीक के तौर पर हुई, के कहने पर भारत में उसकी स्मगलिंग की थी। पाटिल ने कस्टम को यह भी बताया कि उसे नहीं पता था कि स्मगल किया गया सोना एयरक्राफ्ट से कैसे बाहर निकाला जाना था और इसलिए वह बिना पैकेट के ही चला गया।

मुंबई : काला घोड़ा आर्ट्स फेस्टिवल... ऐतिहासिक आर्ट्स डिस्ट्रिक्ट को क्रिएटिविटी का वाइब्रेंट हब बना दिया

मुंबई : काला घोड़ा आर्ट्स फेस्टिवल 2026 ऑफिशियली खुल गया, जिसने साउथ मुंबई के ऐतिहासिक आर्ट्स डिस्ट्रिक्ट को क्रिएटिविटी का एक वाइब्रेंट हब बना दिया। 31 जनवरी से 8 फरवरी तक चलने वाला यह नौ दिन का फेस्टिवल इस साल अपना 26वां एडिशन है, जिसकी थीम 'अहेड ऑफ द कर्व' है, जो आर्ट, परफॉर्मेंस और कल्चर में इनोवेशन, इमैजिनेशन और फ्यूचरिस्टिक आइडिया को सेलिब्रेट करता है।

पहले दिन बच्चों का आर्ट के प्रति प्यार दिखा पहले दिन की कई हाइलाइट्स में से, चिल्ड्रन्स वर्टिकल फेस्टिवल की सबसे वाइब्रेंट और दिल को छू लेने वाली जगहों में से एक था। छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय में होस्ट किए गए, बच्चों के

सेक्शन ने सुबह से ही स्कूल ग्रुप्स, पेरेंट्स और जिज्ञासु युवाओं का स्वागत किया। 'रोलर कोस्टर' थीम के आस-पास डिजाइन की गई यह जगह रंगों, इंटरैक्टिव सेशन और हैंड्स-ऑन लर्निंग से गुलजार थी। तस्नीम राजकोटवाला, ऋषिता चंद्रा और ऋचा सेठी द्वारा क्यूरेट किया गया, बच्चों का कार्यक्रम इको-आर्ट, कहानी, रंगमंच, विज्ञान, योग, रोबोटिक्स और यहां तक कि स्टारगेज़िंग का एक सोच-समझकर तैयार किया गया मिश्रण पेश करता है। अवधारणा के बारे में बात करते हुए, तस्नीम ने साझा किया, ''हमारा विषय प्रकृति के सभी वक्रों को देखता है। रंगमंच और पुस्तक लॉन्च से लेकर कविता, व्यावहारिक कला, पठन सत्र और यहां तक कि एआई तक, यह वास्तव में सब कुछ कवर करता है।'' पहले दिन के इंस्टॉलेशन जीवंत, पर्यावरण के प्रति जागरूक और इंटरैक्टिव थे, जो बच्चों को स्वतंत्र रूप से अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित करते थे जबकि माता-पिता और अभिभावक उन्हें विभिन्न कला रूपों के माध्यम से मार्गदर्शन करते थे। ऋचा ने कहा, ''इस उत्सव को न चूकें। यहां सब कुछ मुफ्त है, और यह न केवल भारत में, बल्कि एशिया में सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है। वास्तव में इसके जैसा कुछ और नहीं है।'' क्यूरियस कर्व्स, एक STEM स्टोरीटेलिंग वर्कशॉप जिसमें आर्ट और अंक का मिक्स है; और स्लैम आउट लाउड के परफॉर्मर।

संपादकीय...

कैंसर इलाज मुफ्त क्यों नहीं?

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

कैंसर और मधुमेह (डायबिटीज) भारत में दोहरा, जानलेवा, गंभीर स्वास्थ्य संकट हैं। देश में 2025 तक मधुमेह पीड़ितों की अनुमानित संख्या 12.49 करोड़ है। करीब 8-18 फीसदी कैंसर रोगियों को मधुमेह भी होता है, लिहाजा टाइप-2 मधुमेह के कारण स्तन, कोलन, लिवर, पैंक्रियाज के कैंसर का जोखिम 20-30 फीसदी तक बढ़ जाता है। भारत में मुख कैंसर विश्व में सबसे अधिक है, क्योंकि भारतीय तंबाकू का सेवन बहुत करते हैं। फेफड़े, श्वास-नली, बड़ी आंत या मलाशय, पैंक्रियाज, स्तन आदि के कैंसर करीब 50 फीसदी मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। पहली बार बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को 1 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कुल बजट 1,01,709 करोड़ रुपए का है, जिसे पांच साल में 42 फीसदी बढ़ाया गया है, लेकिन जीडीपी का जितना हिस्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर आवंटित किया जाना चाहिए, उतना बजट नहीं दिया जा रहा है। यह विडंबना और संकुचित सोच का नतीजा ही है। स्वास्थ्य का बजट अब भी 2 फीसदी से कम है, जो 147 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश के लिए 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। देश का औसतन 9वां नागरिक कैंसर-पीड़ित है। अभी तक कैंसर लगभग लाइलाज है, क्योंकि देश में सुविधाएं और चिकित्सा पर्याप्त नहीं है। जहां इलाज उपलब्ध है, वहां लंबी प्रतीक्षा है, मशीनें खराब पड़ी रहती हैं, डाक्टर भी गायब रहते हैं, शोध का स्तर उथला है और अंततः इलाज बेहद महंगा है। राजधानी दिल्ली की नाक के तले ही कैंसर की नकली दवाइयां बनाई और बेची जा रही हैं। कुछ गिरोह पकड़े भी जाते हैं, लेकिन उनका कानूनी निष्कर्ष क्या होता है, कितना दंडनीय अपराध साबित होता है, उनका सार्वजनिक खुलासा नगण्य है।

बहरहाल बजट में कैंसर, मधुमेह समेत 7 गंभीर बीमारियों की दवाएं सस्ती घोषित की गई हैं। बेशक कैंसर की दवाओं पर शुल्क घटने से इन दवाओं के आयात और वितरण से जुड़ी कंपनियों के मार्जिन में सुधार होगा। बजटीय आबंटन 10,000 करोड़ रुपए का सीधा लाभ उनको मिलेगा, जो 'बायोसिमिलर्स' और शोध पर काम कर रही हैं। बॉयोकॉन, सन फार्मा, जायडस लाइफ साइंसेज को ये लाभ मिल सकते हैं। डा. रेड्डीज कैंसर की कई महत्त्वपूर्ण दवाओं के उत्पादन और वितरण में सक्रिय है। नेटको फार्मा की कैंसर दवाओं के पोर्टफोलियो में इसकी बड़ी पकड़ है। मौजूद सवाल यह है कि देश में कैंसर का इलाज मुफ्त क्यों नहीं किया जा सकता? अथवा जो अस्पताल कैंसर के इलाज के लिए चिह्नित किए जाएं, उनमें इतना अनुशासन और सख्ती की जानी चाहिए कि आम आदमी को कैंसर का इलाज 100 फीसदी सुनिश्चित किया जा सके। जब देश में 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटने की राजनीतिक संस्कृति पुख्ता हो चुकी है और इस आधार पर चुनाव जीते जा रहे हैं, तो कैंसर किसी की जिंदगी और मौत से जुड़ी बीमारी है। 'अमीर अर्थव्यवस्था' वाला देश कैंसर का मुफ्त इलाज मुहैया क्यों नहीं करा सकता?

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई झुग्गी पुनर्वास विवाद: राज्य सरकार-MCGM को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस,

हाईकोर्ट के आदेश को बताया चुनौतीपूर्ण...

मुंबई : सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार, मुंबई नगर निगम और झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण सहित अन्य पक्षकारों से बॉम्बे हाईकोर्ट के विवादास्पद आदेश के खिलाफ याचिका पर जवाब मांगा। यह याचिका उन प्लॉट्स पर पुनर्वास योजनाओं को चुनौती देती है, जो मूल रूप से पार्क, उद्यान और खेल मैदान के लिए आरक्षित थे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 19 जून 2025 को डीसीपीआर 2034 के रेगुलेशन17(3)(डी)(2) को वैध ठहराते हुए कहा था कि यह नियम उपनगरीय झुग्गी पुनर्वास योजनाओं को लागू करने की अनुमति देता है, बशर्ते जनता के लिए एक हिस्से को पुनः हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह संतुलन मुंबई की हरित आवरण आवश्यकता और आवास के संवैधानिक अधिकार के बीच है।

हाईकोर्ट ने जारी किए थे 17-सूत्रीय सख्त दिशानिर्देश

सुप्रीम कोर्ट की बेंच चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची ने वरिष्ठ वकील श्याम दिवान के तर्कों को नोट किया। दिवान उन लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जिन्होंने हाईकोर्ट में पीआईएल दाखिल की थी। उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुंबई में खुले सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा जरूरी है। हाईकोर्ट की बेंच ने हालांकि नियम की वैधता को स्वीकार करते हुए 17-सूत्रीय सख्त दिशानिर्देश जारी किए ताकि वादित खुली जगहें केवल कागज पर न रहकर वास्तविक, सार्वजनिक रूप से सुलभ सुविधाएं बनें।

पीआईएल में उठाया गया 'पब्लिक ट्रस्ट डॉक्ट्रिन' का मुद्दा

पीआईएल में दावा किया गया था कि आरक्षित खुली जगहों के 65 प्रतिशत पर निर्माण की अनुमति देना अतिक्रमण को वैध बनाना है और यह 'पब्लिक ट्रस्ट डॉक्ट्रिन' का उल्लंघन करता है। हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि यह एक संवैधानिक संतुलन है क्योंकि ये प्लॉट वर्तमान में झुग्गियों से पूरी तरह भरे हैं और सामान्य जनता के लिए उपयोगी नहीं हैं। हाईकोर्ट ने कहा था कि 65:35 के व्यावहारिक संतुलन, जिसमें 35 प्रतिशत भूमि जनता के लिए हरित क्षेत्र के रूप में सुरक्षित रहती है और 65 प्रतिशत भूमि झुग्गी निवासियों के लिए इस्तेमाल होती है, सटीक और अनुपातिक समाधान है। इसके तहत भूमि का विकास जॉगिंग ट्रैक, लैंडस्केपिंग और खेल उपकरण के साथ होना चाहिए और इसे केवल पुनर्वास भवन के निवासियों तक सीमित नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि भविष्य में आरक्षित भूमि पर कोई नया अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। इस मामले की लंबी कानूनी लड़ाई 2002 में शुरू हुई थी, जब 1992 की नीति को चुनौती दी गई थी, जो आरक्षित साइटों पर पुनर्विकास की अनुमति देती थी यदि वे 25 प्रतिशत तक अतिक्रमित हों।

शब-ए-बारात के मौके पर वेस्टर्न रेलवे ने चर्चगेट और विरार के बीच 2 स्पेशल लोकल ट्रेन चलाने का फैसला...

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली मुंबई लोकल ने भी शब-ए-बारात को लेकर कमर कस ली है. शब-ए-बारात के मौके पर वेस्टर्न रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेनों को चलाने का ऐलान किया है. शब-ए-बारात के दौरान होने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए वेस्टर्न रेलवे 3 और 4 फरवरी की दरमियानी रात चर्चगेट और विरार के बीच 2 स्पेशल स्लो लोकल ट्रेनें चलाएगा.

क्या है ट्रेनों का शेड्यूल?

चर्चगेट-विरार स्पेशल लोकल 4 फरवरी को सुबह 2.35 बजे चर्चगेट से रवाना होगी और सुबह 4.15 बजे विरार पहुंचेगी. वापसी में विरार-चर्चगेट स्पेशल लोकल 4 फरवरी को सुबह 1.42 बजे विरार से चलेगी और सुबह 3.22 बजे चर्चगेट पहुंचेगी.शब-ए-बारात के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 2 सबअर्बन एटव स्पेशल सेवाएं चलाई जाएंगी.

वेस्टर्न रेलवे ने क्या किया ट्वीट?

वेस्टर्न रेलवे ने ट्विटर पर किये एक पोस्ट में लिखा, 'ये स्पेशल एटव सेवाएं ऊपर बताई गई तारीखों पर नोटिफाइड शेड्यूल के अनुसार चलेंगी. यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस व्यवस्था पर ध्यान दें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं.' शब-ए-बारात को माफी की रात भी कहा जाता है. यह इस्लामिक चंद्र कैलेंडर के 8वें महीने शाबान की 14वीं और 15वीं तारीख की रात को मनाया जाता है.

शब-ए-बारात की रात होता क्या है?

यह नाम फारसी शब्द शब (रात) और अरबी शब्द बारात (माफी, आजादी या मुक्ति) से लिया गया है. ऐसा मानना है कि इस रात अल्लाह हर प्राणी की किस्मत, रोजी-रोटी, जीवन और मृत्यु का फैसला अगले साल के लिए उनके पिछले कामों के आधार पर करते हैं.

मुंबई : कोस्टल रोड टनल में नाबालिग ने कार को टक्कर मार दी; 3 लोग घायल...

मुंबई : मुंबई के कोस्टल रोड टनल में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने आगे चल रही कार को पीछे से टक्कर मार दी. इस हादसे में 3 लोग घायल हो गए, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है. पुलिस जांच में सामने आया है कि मर्सिडीज एक नाबालिग चला रहा था. हादसा रात करीब 1.45 बजे मुंबई कोस्टल रोड टनल के भीतर हुआ. पुलिस के मुताबिक, मर्सिडीज ने अचानक तेज रफ्तार में आगे चल रही कार को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि सामने वाली कार में बैठे लोग झटके से घायल हो गए. हादसे के बाद टनल में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ.

डिनर के लिए जा रहा था परिवार

हादसे में जिस कार को टक्कर लगी, उसे मीरा रोड निवासी 36 वर्षीय प्रसन्न मोपकर चला रहे थे. उनके साथ उनकी पत्नी और सास भी मौजूद थीं. तीनों बोरीवली से कोलाबा स्थित एक होटल में डिनर के लिए जा रहे थे. टक्कर के बाद प्रसन्न मोपकर और उनकी सास को हल्की चोटें आईं, जबकि उनकी पत्नी की नाक में गंभीर चोट लगी. हादसे के तुरंत बाद घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. डॉक्टरों के अनुसार महिला की नाक में गंभीर चोट आई है और उनका इलाज जारी है. बाकी दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई.

नाबालिग चला रहा था मर्सिडीज

पुलिस जांच में पता चला कि मर्सिडीज एक वरिष्ठ नागरिक कारोबारी के नाम पर रजिस्टर्ड है. उनकी 18 वर्षीय पोती घर से कार की चाबी लेकर बाहर निकली थी, जबकि कार उसका 17 वर्षीय दोस्त चला रहा था. यानी हादसे के वक्त वाहन नाबालिग के हाथ में था. इस मामले में पुलिस ने कार मालिक, उसकी पोती और नाबालिग चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

जाम में डूब चुकी है पूर्व द्रुतगति महामार्ग; बॉटलनेक में तब्दील हो गया

मुंबई : एमएमआरडीए की नाकाम और अव्यवस्थित प्लानिंग के चलते पूरी मुंबई जाम में डूब चुकी है। ईस्टर्न फ्रीवे विस्तार और विक्रोली फ्लाईओवर को बिना समन्वित योजना के खोलने का नतीजा यह हुआ कि पूर्व द्रुतगति महामार्ग एक विशाल बॉटलनेक में तब्दील हो गया। इससे रोज लाखों वाहन घंटों तक वहां फंस रहे हैं। इस वजह से ईंधन जल रहा है और आम नागरिक का कीमती समय बर्बाद हो रहा है। हजारों करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं, जिससे साफ होता है कि विकास के नाम पर केवल कागजी योजनाएं बनीं, जबकि जमीन पर अव्यवस्था ही उतरी है। कुल मिलाकर मुंबई की रफ्तार थमती नजर आ रही है और उसकी कीमत जनता चुका रही है।

बता दें कि घाटकोपर से भांडुप के बीच यातायात जाम की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। मानखुर्द स्थित सिग्नल की परेशानी दूर होने के बाद पूर्व द्रुतगति महामार्ग पर तेज रफ्तार से आने वाले वाहन, हाल ही में शुरू हुए विक्रोली फ्लायओवर और ईस्टर्न प्रष्ठीवे से ठाणे के साकेत क्षेत्र में निमार्णाधीन नए फ्लायओवर के कारण ट्रैफिक सुधरने के बजाय और ज्यादा खराब हो गया है। नतीजतन, महामार्ग पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं और वाहन चालक रोजाना ट्रैफिक में फंसकर बेहाल हो रहे हैं। बता दें कि मुंबई शहर और उपनगरों को ठाणे से जोड़ने वाला यह मार्ग शहर की जीवनरेखा माना जाता है, जहां से प्रतिदिन लाखों वाहन गुजरते हैं। विक्रोली गोदरेज क्षेत्र में सिग्नल भले ही अल्प समय के लिए लगता हो, लेकिन सिग्नल पार करते ही वाहनों का दबाव एकसाथ ठाणे की दिशा में उमड़ पड़ता है।

आक्रोश में मुंबईकर

एमएमआरडीए की इस करतूत से मुंबईकर काफी गुस्से में हैं। ठाणे निवासी शिवम उपाध्याय ने कहा कि हर दिन घंटों ट्रैफिक में फंसना हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गया है। ऑफिस, स्कूल, अस्पताल हर जगह देर हो जाती है, लेकिन जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है। फ्लायओवर खुले, करोड़ों खर्च हुए फिर भी जाम कम होने के बजाय और बढ़ गया। इसी तरह तुंगागांव निवासी रामलाल यादव ने कहा कि ईंधन जल रहा है, समय बर्बाद हो रहा है और तनाव बढ़ रहा है। हम टैक्स भी दें और बदले में ट्रैफिक की सजा भी भुगतें, यह कहां का न्याय है। एमएमआरडीए और सरकार सिर्फ उद्घाटन करती है, लेकिन जमीनी हकीकत देखने कोई नहीं आता। पवई निवासी अनिल सिंह ने कहा कि अगर यही हाल रहा तो मुंबई चलने लायक नहीं बचेगी। हर नई परियोजना जाम बढ़ा रही है। जब तक पूरी प्लानिंग के साथ काम नहीं होगा, तब तक जनता यूं ही पिसती रहेगी।

सेवा सड़कों की ओर मोड़ा यातायात

यातायात जाम को नियंत्रित करने के लिए जिन स्थानों पर पिलर निर्माण पूरा हो चुका है, वहां से बैरिकेड्स हटाए गए हैं। जेवीएलआर फ्लायओवर के समाप्ति बिंदु पर लगे बैरिकेड्स भी भीतर की ओर खिसकाए गए हैं। कुछ हिस्सों में यातायात को सेवा सड़कों की ओर मोड़ा गया है।

शाहिद कपूर अभिनीत 'ओ रोमियो' के प्रदर्शन पर रोक के लिए याचिका

मुंबई : गैंगस्टर हुसैन उस्तारा की बेटी सनोबर शेख ने सोमवार को मुंबई की एक दीवानी अदालत में याचिका दायर कर आने वाली हिंदी फिल्म 'ओ रोमियो' के प्रदर्शन पर रोक लगाने का अनुरोध किया। सनोबी ने याचिका में दावा किया है कि यह फिल्म उनके दिवंगत पिता की अनधिकृत जीवनी है और फिल्म में उन्हें गलत तरीके से चित्रित किया गया है।

हुसैन शेख को हुसैन उस्तारा के नाम से जाना जाता था और उसकी बेटी सनोबर शेख ने फिल्म के निमार्ता साजिद नाडियाडवाला, निर्देशक विशाल भारद्वाज और पत्रकार-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ दीवानी अदालत में मुकदमा दायर किया है, जिस पर छह फरवरी को सुनवाई होगी।

मुंबई मेयर चुनाव में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बीजेपी के साथ गठबंधन नहीं करेगी...

पार्टी कार्यकताओं से बोले राज ठाकरे

मुंबई : राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन किए जाने की जोरदार चर्चा चल रही थी. इससे महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई थी. कुछ दिनों पहले लचीली राजनीति के संकेत देने वाले मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बारे में चर्चा थी कि वे कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के बाद अब मुंबई में भी सत्ताधारी दलों के साथ हाथ मिलाने वाले हैं. सोमवार, 2 फरवरी की सुबह बीजेपी और एकनाथ शिंदे गुट के नगरसेवक गुट पंजीकरण के लिए कोकण भवन जाने से पहले मुंबई महानगरपालिका में एकत्र हुए थे. इसी दौरान खबर फैल गई कि मनसे बीजेपी को समर्थन देने वाली है. उसी समय राज ठाकरे एमआईजी क्लब में मनसे के पराजित नगरसेवकों के साथ बैठक कर रहे थे. जैसे ही राज ठाकरे और बीजेपी के संभावित गठबंधन की खबर बाहर आई, राजनीतिक हलचल तेज हो गई. हालांकि, बैठक समाप्त होने के बाद बाहर निकलते ही राज ठाकरे ने इस खबर का साफ इनकार कर दिया. राज ठाकरे ने कहा,''हम मुंबई में बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे. मैं कह रहा हूं ना, नहीं मतलब नहीं.''

एमआईजी क्लब में मनसे की बैठक

आज सुबह बांद्रा स्थित एमआईजी क्लब में मनसे की निर्धारित बैठक थी. इसमें मुंबई के सभी पराजित उम्मीदवार, विभाग अध्यक्ष और उपाध्यक्ष उपस्थित थे. बैठक में मनसे नेता संदीप देशपांडे समेत पार्टी के प्रमुख नेता मौजूद थे.

कुछ दिन पहले मनसे ने कल्याण -डोंबिवली महानगरपालिका में एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन दिया था. इसके बाद राज ठाकरे और मनसे की काफी आलोचना हुई थी. चुनाव प्रचार के दौरान जिन पर कड़ी आलोचना की गई थी, चुनाव के बाद उन्हीं के साथ बैठने को लेकर मनसे पर कई लोगों ने निशाना साधा था. इसी बीच राज ठाकरे ने अपने 'लचीले राजनीतिक रुख' पर बयान देते हुए कहा था, ''मेरा यह लचीला राजनीतिक रुख व्यक्तिगत फायदे के लिए नहीं, बल्कि मनसे और मराठी लोगों के हित में होगा.'' इसी पृष्ठभूमि में सोमवार सुबह खबर सामने आई कि मुंबई महानगरपालिका में मनसे बीजेपी को समर्थन देने वाली है.

नवी मुंबई : लापता छात्रा का लोनावाला में शव मिला, किशोर की कार की टक्कर से तीन घायल

नवी मुंबई : पुणे पुलिस ने बताया कि नवी मुंबई की 20 साल की एक छात्रा का शव बरामद हुआ है। छात्रा बीती 30 जनवरी को लापता हो गई थी, अब पुलिस ने लोनावाला के टाइगर पॉइंट पर 400 फीट गहरी खाई से उसका शव बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि शव को ड्रोन कैमरों की मदद से ढूंढा गया। पुलिस आत्महत्या के एंगल से जांच कर रही है और कहा कि घरेलू तनाव श्रेया नरेंद्र पाटी के इस कदम उठाने का कारण हो सकता है।

पाटी का शव रविवार को एक स्थानीय ट्रेकिंग ग्रुप - शिवदुर्ग मित्र ट्रैकर्स - ने 400 फुट गहरी खाई से निकाला। पुलिस ने बताया 'मृत लड़की कल्याण के इक्ळ२ लॉ स्कूल की स्टूडेंट थी। वह 30 जनवरी को नवी मुंबई में अपने घर से यह कहकर निकली थी कि वह लोनावाला में ड्यूक नोज पर ट्रेकिंग के लिए जा रही है और शाम 5 बजे तक लौट आएगी। जब उसके परिवार ने उससे संपर्क करना शुरू किया, तो उसका फोन कवरेज क्षेत्र से बाहर था।'

पुलिस ने बताया कि लगभग 7.30 बजे, लड़की के पिता को टाइगर पॉइंट के पास एक स्नैक विक्रेता का फोन आया, जिसने उन्हें बताया कि उसे अपनी दुकान के पास एक बैग मिला है, जिसमें उसे श्रेया का कॉलेज आईडी कार्ड मिला। जांच के अनुसार, मृत लड़की शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे टाइगर पॉइंट पहुंची। बाद में, वह ड्यूक नोज गई। लगभग 1.30 बजे, वह एक रिक्शा से टाइगर पॉइंट लौटी, जहां उसने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।' उन्होंने आगे कहा कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन घरेलू तनाव उसके इस कदम उठाने का कारण हो सकता है।

वसई विरार मेयर चुनावों में बीजेपी ने हितेंद्र ठाकुर के सामने पेश की चुनौती

विरार : मुंबई मेट्रोपॉलिटिन क्षेत्र यानी एमएमआर में आने वाले वसई विरार में मेयर के चुनाव को बीजेपी ने दिलचस्प बना दिया है। वसई विरार मेयर चुनावों में बीजेपी विधायक राजन नाईक ने हितेंद्र ठाकुर के सामने चुनौती पेश की है। बीजेपी ने मेयर चुनावों में अपना भी उम्मीदवार उतार दिया है। ऐसे में जब 3 फरवरी को चुनाव होना है तो सभी की नजरें वसई विरार पर टिकी हैं। चर्चा है कि बीजेपी यहां खेला कर देगी, चूंकि, बविआ के पास स्पष्ट बहुमत है, इसलिए शुरू में लगा था कि यह चुनाव निर्विरोध होगा।

वसई विरार का अंकगणित समझें

वसई विरार महानरपालिका में कुल 29 वार्ड हैं। इसकी 115 सीटों के लिए कुल 547 कैंडिडेट मैदान में उतरे थे लेकिन बीजेपी सिर्फ 43 सीट पर जीत हासिल कर पाई थी। कांग्रेस, शिवसेना 1-1 सीट पर सिमट गए थे। पूर्व विधायक हितेंद्र ठाकुर की अगुवाई वाली बहुजन विकास आघाड़ी ने 70 सीटें जीत ली थीं। तीन फरवरी को मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव होगा। महापौर पद

के लिए बविआ से अजीव पाटिल, प्रफुल्ल साने और निषाद चोरघे ने आवेदन किया है, जबकि बीजेपी से अधिवक्ता दर्शना त्रिपाठी ने आवेदन किया है. उपमहापौर पद के लिए बविआ से कन्हैया भोईर, मार्शल लोपिस ने आवेदन किया है, उधर बीजेपी से नारायण मांजरेकर ने आवेदन किया है। इस आवेदन के बाद राजनीतिक हलके में एक बार फिर ऑपरेशन लोटस की चर्चा शुरू हो गई है। वसई विरार महानगरपालिका में बहुमत का आंकड़ा 58 सीटों का है।

बीवीए ने की मजबूत वापसी

महानगरपालिका चुनावों में एमएमआर की इस महानगरपालिका में आश्चर्यजनक तौर पर बीजेपी को झटका लगा था जबकि बीजेपी का लोकसभा और विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। तब माना गया था कि ठाकुर भाईयों का दबदबा इस इलाके से खत्म हो जाएगा लेकिन निगम चुनाव में हितेंद्र ठाकुर की बहुजन विकास आघाड़ी बीजेपी पर भारी पड़ी थी। लोगों ने खूब सीटी बजाई थी। बीजेपी विधायक राजन नाइक का दावा करे रहे हैं कि बीजेपी पास कुल 44 पार्षद हैं। पार्टी सिर्फ 14 का समर्थन चाहिए। ऐसे में चर्चा हो रही है कि क्या वसई विरार में ऑपरेशन लोटस चल रहा है।

मुसलमानों को गाली देने से भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा

-धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बांदा में भरी हुंकार

बांदा (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उत्तरप्रदेश के बांदा में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में हिंदू समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को गाली देने या किसी दूसरे समुदाय को निशाना बनाने से भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। अपने संबोधन में शास्त्री ने कहा कि पहले हिंदुओं को अपनी कुरीतियों और आंतरिक खामियों को सुधारने की जरूरत है। तभी समाज में शांति, एकता और सौहार्द स्थापित होगी।

दिव्य हनुमंत कथा के 10 दिन बाद एक बार फिर से धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार को बांदा पहुंचे। वे खुरहंड स्टेशन स्थित सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के आवास पर आयोजित सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा, हिंदू मेरी एक बात नोट कर लें, मुसलमानों को गालियां देकर हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। हिंदुओं को अपनी कुरितियां सुधारी पड़ेंगी, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। जो हमारे सनातन में कमियां है, उस दूर किया जाएगा, तभी बनेगा और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का एक ही उपाय है। वह है, जात-पात की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई।

बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर ने कहा कि उनके यहां तीन बार हूं.. हूं.. और तलाक, हमारे यहां तो जब तक 20 से 25 बार पेशी न हो जाए तब तक तलाक नहीं होता है। उसमें कोई बुराई नहीं है। अच्छी बात है कायदे में रहते हैं, तब फायदे में रहते है।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमारा काम है दर पर जाना, उनका काम है बिगड़ी बनाना और परमात्मा का काम है सब कुछ संभालना। एक बात याद रखना, अगर तुम भगवान पर भरोसा रखते हो, तब वह तुम्हारा भरोसा कभी टूटने नहीं देगा। अगर तुम बीच में अलीउल्लाह वालों के पास चले जाओ, कभी चादर चढ़ाने लगाते हो, कभी कैंडिल जलाने लगो और फिर कहते हो कि हनुमान कृपा नहीं कर रहे। पूरी तरह भगवान पर छोड़ दो या फिर सच में भगवान पर ही छोड़ दो।

दिल्ली विस्फोट जांच में खुलासा, कॉफी चेन के आउटलेट्स को निशाना बनाना चाहते थे

-पूछताछ में पता चला आतंकी समूह के अंदर ही टारगेट को लेकर था मतभेद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विस्फोट की जांच में एक नया पहलू सामने आया है। केंद्रीय जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि आतंकी मॉड्यूल ने दिल्ली समेत देश के बड़े महानगरों में एक वैश्विक कॉफी चेन के आउटलेट्स को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आरोपियों का मानना था कि यह ब्रांड यहूदी प्रभाव का प्रतीक है, क्योंकि इसके वैश्विक विस्तार के दौर में कंपनी का नेतृत्व एक यहूदी मुख्य कार्यकारी अधिकारी के हाथों में था।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह संभावित हमला इजराइल के गाजा में सैन्य अभियानों के खिलाफ एक राजनीतिक संदेश देने के उद्देश्य से बनाया गया था। यह जानकारी आठ आरोपियों से लंबी पूछताछ के बाद सामने आई है, जिनमें तीन मेडिकल प्रोफेशनल भी शामिल हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर के मुजामिल अहमद गनई और आदिल अहमद राथर, और यूपी के शाहीन सईद शामिल हैं। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि आतंकी समूह के अंदर ही टारगेट को लेकर गहरा मतभेद था। कुछ सदस्य नागरिक ठिकानों पर हमला करने के खिलाफ थे और चाहते थे कि साजिश को केवल जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों तक सीमित रखा जाए।

हालांकि, जांच एजेंसियों के मुताबिक कार बम हमलावर उमर-उन-नबी, जो धमाके में मारा गया, घाटी के बाहर बड़े और हाई-प्रोफाइल ठिकानों को निशाना बनाने पर जोर दे रहा था ताकि हमले का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महसूस किया जाए। एजेंसियों का मानना है कि उमर और उसके सहयोगी मेट्रो शहरों में कॉफी चेन के आउटलेट्स पर हमले को अपने कथित संदेश को वैश्विक बनाने का जरिया मानते थे। धमाके के सात दिन बाद एनआईए ने जासिर वानी को गिरफ्तार किया, जिसे उसकी तकनीकी विशेषज्ञता के चलते नेटवर्क में शामिल किया गया था। वानी पर ड्रोन को हथियार में बदलने और हमास-शैली के हमलों की योजना में शामिल होने का आरोप है।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े थे और आतंकी गतिविधियों को वैश्विक संघर्षों से जोड़ने वाली कट्टरपंथी सोच से प्रेरित थे। एनआईए अब जांच कर रही है कि कॉफी चेन पर हमले की योजना केवल चर्चा तक सीमित थी या इसके लिए रेकी और ठोस तैयारी भी की गई थी।

जुबीन गर्ग मौत मामला: आरोपी महिला का दावा कहा- मुझसे रूम शेयर करने को कहा गया था

गुवाहाटी (एजेंसी)। संगीत जगत की मशहूर हस्ती जुबीन गर्ग की सितंबर 2025 में सिंगापुर में हुई रहस्यमयी मौत के मामले में कानूनी कार्रवाई तेज हो गई है। शुक्रवार को गुवाहाटी सत्र न्यायालय ने मामले की संवेदनशीलता और आरोपों की गंभीरता को देखते हुए तीन प्रमुख आरोपियों को राहत देने से साफ इनकार कर दिया। अदालत ने मुख्य आरोपी संगीतकार अमृतप्रभा महंता और जुबीन गर्ग के दो व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं।

वहीं अपनी बेल याचिका में महंता के वकील ने कहा कि उन्होंने असम और उसके बाहर गर्ग के साथ परफॉर्म किया था और उनके कहने पर वह सिंगापुर में फेस्टिवल के लिए उनके साथ गई थीं। वह 29 साल की महंता के लिए पिता जैसे थे। इसमें कहा गया है कि पहुंचने के बाद उन्हें पता चला कि उन्हें गर्ग के साथ वही कमरा दिया गया है और वह विदेश में कमरे के इस अलॉटमेंट पर कोई आपत्ति नहीं कर सकती थीं और क्योंकि उन्हें अपने पिता जैसे व्यक्ति के साथ उसी कमरे में रहने के लिए कहा गया था, इसलिए वह उसी कमरे में रहीं। उन्हें पिछले दिन तक यॉट राइड के बारे में पता नहीं था।

सत्र न्यायाधीश ने अमृतप्रभा महंता की याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर प्रकृति के हैं, जिनमें कानून के तहत मृत्युदंड या आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। अदालत ने अभियोजन पक्ष के तर्कों से सहमति जताते हुए माना कि प्रथम दृष्टया ऐसे साक्ष्य मौजूद हैं जो दर्शाते हैं कि महंता ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर एक ऐसी आपराधिक साजिश रची, जिसके कारण अंततः जुबीन गर्ग की मृत्यु हुई। महंता उन चार मुख्य आरोपियों में शामिल हैं, जिन पर सिंगापुर में गर्ग की मौत के सिलसिले में हत्या का आरोप दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि जुबीन गर्ग सितंबर 2025 में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में प्रस्तुति देने के लिए सिंगापुर गए थे। उनके साथ इस मामले में उत्सव के आयोजक श्यामकानु महंता, मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी भी आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान महंता के वकील ने दलील दी कि वह जुबीन को पिता समान मानती थीं और उनके साथ कई शो कर चुकी थीं। उन्होंने तर्क दिया कि होटल में कमरा आवंटन उनकी मर्जी से नहीं हुआ था और विदेश में अकेले होने के कारण वे वहां आपत्ति नहीं कर सकीं।

हालांकि, पुलिस की चार्जशीट में उन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि महंता ने सिंगापुर के होटल में जुबीन को अत्यधिक शराब पीने के लिए उकसाया और उनके गिरते स्वास्थ्य के बारे में परिजनों या मैनेजर को सूचित नहीं किया। साथ ही, उन पर गंभीर नशे की हालत में जुबीन को बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में उतरने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आरोप है। दूसरी ओर, जुबीन के दो पीएसओ–नंदेश्वर बोराह और परेश बैश्य–पर आपराधिक साजिश के साथ-साथ विश्वासघात और जुबीन के पैसों के गबन का आरोप है। कोर्ट ने इसे समाज पर बुरा प्रभाव डालने वाला गंभीर अपराध करार दिया। यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में रहा है क्योंकि सिंगापुर और भारत की जांच रिपोर्टों में विरोधाभास है।

कांग्रेस ने उठाया सवाल... क्या बजट के आंकड़े पेश होने के तुरंत बाद संशोधित किए जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर नीति निर्धारण में समन्वय की कमी का आरोप लगाकर सवाल उठाया है कि क्या बजट के आंकड़े पेश होने के तुरंत बाद संशोधित किए जाएंगे। यह चिंता इसलिए है क्योंकि बजट के कुछ ही दिन बाद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नई शृंखला जारी होगी।

कांग्रेस के संचार प्रभारी और राज्यसभा सांसद महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 का बजट 1 फरवरी 2026 को पेश होगा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि राज्य सरकारें इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि बजट में उनके लिए क्या प्रावधान होने वाले हैं, क्योंकि वित्त मंत्री 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा करने वाली हैं। वित्त आयोग संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत हर पांच वर्षों में बनता है और यह केंद्र द्वारा एकत्र किए गए कर राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी, उसके वितरण और विशेष अनुदान तय करता है। 16वां वित्त आयोग 2026-27 से 2030-31 तक की अवधि से संबंधित है।

कांग्रेस नेता रमेश ने दो प्रमुख चिंताओं का जिक्र किया। पहली यह कि कई बजट आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में पेश किए जाएंगे, जबकि 27 फरवरी 2026 को जीडीपी की नई शृंखला जारी होने वाली है। दूसरी चिंता सीपीआई की है, जिसकी नई शृंखला 12 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसमें खाद्य कीमतों की हिस्सेदारी में गिरावट आ सकती है, जिससे बजट के आंकड़ों पर असर पड़ेगा। इसके अलावा, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भी संशोधन किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि यह सभी परिस्थितियां नीति निर्माण में तालमेल की कमी को दिखाती हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना रिकॉर्ड नौवां बजट पेश करेंगी, जिसमें दो अंतरिम बजट भी शामिल हैं। कांग्रेस का तर्क है कि बजट आंकड़े और नई आर्थिक शृंखलाओं के बीच अंतर से राज्यों और नीति निर्माताओं के लिए असमंजस पैदा हो सकता है।

आज हो जाएं आम चुनाव... पूर्ण बहुमत से चौथी बार लौटेगी मोदी सरकार

-55 प्रतिशत लोगों ने नरेंद्र मोदी को मना पीएम पद का दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में आज अगर लोकसभा चुनाव हो जाएं, तब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सीटें बढ़कर 352 होगी। इतना ही नहीं बीजेपी की सीटें भी बढ़कर 287 होगी। इसतरह बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करती दिख रही है। एक ताजा सर्वे में ये नतीजे निकलकर आए हैं। वोट प्रतिशत के अुनसार मौजूदा समय में चुनाव होने पर एनडीए को 47 फीसदी का फायदा होता दिख रहा है। इंडिया ब्लॉक को 39 फीसदी, और अन्य को 14 फीसदी वोट मिलते दिख रहे है।

ये सर्वे 8 दिसंबर 2025 से 21 जनवरी 2026 के बीच कराया गया है। हर आयु वर्ग जाति, धर्म, लिंग वाले 36 हजार 265 लोग इस सर्वे में शामिल हुए। सर्वे में पूछा गया कि अगर आज लोकसभा चुनाव हो जाएं तब किस गठबंधन को कितनी सीटें मिलेंगी? सर्वे में सामने आया कि एनडीए को 352 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि इंडिया ब्लॉक को 182 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य के खाते में 9 सीटें जा सकती हैं। हालांकि 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को 293 सीटें मिली थीं, जबकि इंडिया ब्लॉक के खाते में 234 सीटें आई थीं। अगस्त 2025 में सर्वे किया गया था, जिसमें एनडीए को 324 सीटें और इंडिया ब्लॉक को 208 सीटें मिलने का अनुमान था।

गठबंधन के हिसाब से वोट शेयर की बात करें तब सर्वे के मुताबिक एनडीए गठबंधन को 47 प्रतिशत, इंडिया ब्लॉक को 39 प्रतिशत और अन्य को 14 प्रतिशत वोट शेयर मिल सकता है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को 43 प्रतिशत वोट शेयर मिला था, जबकि इंडिया ब्लॉक को 40 प्रतिशत वोट मिला था। वहीं अगस्त में हुए सर्वे में एनडीए को 47 प्रतिशत और इंडिया ब्लॉक को 41 प्रतिशत वोट शेयर मिलने का अनुमान था।

सर्वे में पूछा गया कि अगर आज लोकसभा चुनाव होने पर किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी। सर्वे में सामने आया कि बीजेपी को 287, कांग्रेस 80 और अन्य को 176 सीटें मिलने का अनुमान है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 240 सीटें, कांग्रेस 99 सीटें मिली थीं। अगस्त में हुए सर्वे में बीजेपी को 260 सीटें और कांग्रेस को 97 सीटें मिलने का अनुमान था। सर्वे के मुताबिक अगर आज चुनाव होते हैं, तब बीजेपी के खाते में 41 प्रतिशत, कांग्रेस के खाते में 20 प्रतिशत और अन्य के खाते में 39 प्रतिशत वोट जा सकते हैं।

वहीं सर्वे में लोगों से पूछा गया कि अगले प्रधानमंत्री के तौर पर सबसे बेहतर चेहरा कौन सा होगा? इस पर 55 फीसदी लोगों ने नरेंद्र मोदी को चुना। जबकि 27 फीसदी ने राहुल गांधी को पीएम पद का दावेदार बताया। इससे पहले अगस्त 2025 में सर्वे में 52 फीसदी लोगों ने नरेंद्र मोदी को, और 25 फीसदी लोगों ने राहुल गांधी को पसंद बताया था। सर्वे में लोगों से पूछा गया कि देश का अब तक का सबसे बेहतर प्रधानमंत्री कौन है। इस सवाल के जबाव में 50 फीसदी लोगों ने पीएम मोदी को अपनी

पसंद बताया। जबकि 12 फीसदी लोगों ने इंदिरा गांधी को देश की अब तक की सबसे बेहतर प्रधानमंत्री और अटल बिहारी वाजपेयी को भी 12 फीसदी लोगों ने अब तक का सबसे बेहतर पीएम बताया।

रश्मिका-विजय की शादी की शुरू हुई तैयारियां, उदयपुर में दुल्हन सा सज रहा वेन्यू, वायरल वीडियो में दावा

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी फिल्मों के साथ-साथ विजय देवरकोंडा के साथ अपने रिलेशनशिप की चचाओं को लेकर सुर्खियों में हैं। पिछले दिनों ही खबर आई थी कि रश्मिका और विजय ने सगाई कर ली है और अब इनकी शादी की चचाएं जोरों पर हैं। अब तक रश्मिका मंदाना या फिर विजय देवरकोंडा ने अपनी शादी का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है, लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि दोनों उदयपुर से डेस्टिनेशन वेडिंग करने जा रहे हैं और दोनों फरवरी 2026 में सात फेरे लेंगे। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें नजर आ रही लड़कियां दावा कर रही हैं कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा उदयपुर में शादी करने वाले हैं और इस शाही शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। तान्या नाम की एक इंस्टाग्राम यूजर ने वीडियो पोस्ट किया है, जिसके साथ उन्होंने दावा किया कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना उदयपुर के सिटी पैलेस से शादी करने वाले हैं, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है।

'जेलर 2' में शाहरुख खान निभाएंगे अहम किरदार,

रजनीकांत की फिल्म में और भी स्टार्स का हो सकता है कैमियो...

बॉलीवुड के किंग यानी कि शाहरुख खान की फिल्मों का क्रेज तो हमने बॉक्स ऑफिस पर हमेशा से ही देखा है. फैंस उनके नए-नए प्रोजेक्ट्स के अनाउंसमेंट का इंतजार ही करते रहते हैं. 'किंग' के अनाउंसमेंट के बाद अब खबरें हैं कि शाहरुख खान रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में भी कैमियो करने वाले हैं. इतना ही नहीं इस फिल्म में शाहरुख का किरदार भी अहम रहने वाला है.

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' की मैसिव सक्सेस को देखते हुए, मेकर्स इसका दूसरा पार्ट भी लेकर आ रहे हैं. 'जेलर 2' पहले पार्ट से कहीं ज्यादा एक्साइटमेंट लेकर

आ रहा है. मुताबिक इस फिल्म में शाहरुख खान रजनीकांत के करीबी दोस्त की भूमिका निभाने वाले हैं. ये किरदार इस तरह से दिखाया जाने वाला है जिस पर रजनीकांत का किरदार अपनी जान से भी ज्यादा भरोसा करता है. अब इस खबर से फैंस काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. इतना ही नहीं 'जेलर 2' में कई स्टार स्टडेड कैमियोज हमे नजर आने वाले हैं, जिसके चलते फैंस के बीच इसका क्रेज भी बहुत ज्यादा है. शाहरुख खान के अलावा खबरों की मानें तो फिल्म में विजय सेथुपति भी कैमियो करते नजर आएंगे. इसके अलावा खबरें हैं कि और भी कई स्टार्स इस फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, जैसे विद्या बालन, बालाकृष्णा, नागार्जुन और मिथुन चक्रवर्ती. वैसे आपको ये भी बता दें कि शाहरुख खान के इस फिल्म में कैमियो की पोल मिथुन ने ही सबसे पहले खोली थी.

बता दें कि 'जेलर 2' का निर्देशन नेलसन दिलिपकुमार कर रहे हैं, ऐसे में ये एक हाईवोल्टेज एक्शन ड्रामा फिल्म हो सकती है. इस फिल्म को लेकर पहले पार्ट से भी ज्यादा क्रेज है. साल 2023 में आई रजनीकांत स्टारर 'जेलर' को उस समय बहुत पसंद किया गया था. इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी जबरदस्त हुआ था. इसे देखते हुए फिल्म के सीक्वल से उम्मीदें बढ़ गई हैं.

दिशा पाटनी और बहन खुशबू पाटनी में सिर्फ 6 महीने का एज गैप? फैंस हुए कंफ्यूज

एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपनी ग्लैमरस लाइफस्टाइल और पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं. वहीं उनकी बहन खुशबू भी काफी खबरों में बनी रहती हैं. वो सोशल मीडिया पर वीडियोज भी डालती रहती हैं और हर मुद्दे पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं. अब दिशा और खुशबू की एज को लेकर फैंस कंफ्यूज हो गए हैं. दरअसल, गूगल पर दोनों की जो एज दिखाई जा रही है उस हिसाब से दोनों में सिर्फ 203 डेज का अंतर है. एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपनी ग्लैमरस लाइफस्टाइल और पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं. वहीं उनकी बहन खुशबू भी काफी खबरों में बनी रहती हैं. वो सोशल मीडिया पर वीडियोज भी डालती रहती हैं और हर मुद्दे पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं. अब दिशा और खुशबू की एज को लेकर फैंस कंफ्यूज हो गए हैं. दरअसल, गूगल पर दोनों की जो एज दिखाई जा रही है उस हिसाब से दोनों में सिर्फ 203 डेज का अंतर है. दिशा पाटनी की गूगल प्रोफाइल के हिसाब से उनका जन्म 13 जून 1992 में हुआ था. वहीं उनकी बहन खुशबू पाटनी का जन्म 23 नवंबर 1991 में हुआ था. इस हिसाब से उनके बीच 6-7 महीने का एज गैप है. दोनों के एज गैप को लेकर फैंस कंफ्यूज हो गए हैं. फैंस का कहना है कि ऐसा कैसे हो सकता है. वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ये हो सकता है कि गूगल पर दोनों की डेथ ऑफ बर्थ गलत हो. ये उनकी ऑफिशियल डेट ऑफ बर्थ न हो.

क्या अटक जाएगी 'ओ रोमियो' की रिलीज?

शाहिद की फिल्म के खिलाफ गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी ने किया कोर्ट का रुख

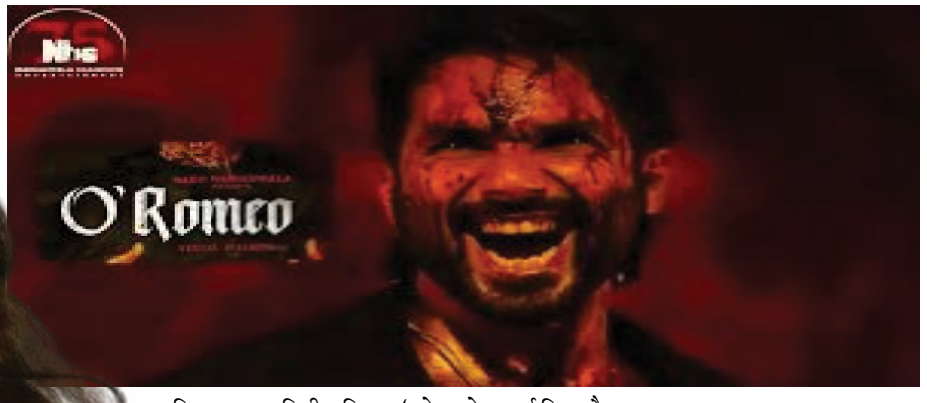

शाहिद कपूर अभिनीत फिल्म 'ओ रोमियो' की रिलीज का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मगर, दूसरी तरफ इसकी रिलीज के खिलाफ कोर्ट में केस दर्ज हो गया है। गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी सनोबर शेख ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने के लिए अदालत का रुख किया है। गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी ने आज सोमवार को मुंबई सिविल कोर्ट में हिंदी फिल्म 'ओ' रोमियो' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की। उनका दावा है कि यह फिल्म उनके दिवंगत पिता की बिना अनुमति के बनाई गई बायोपिक है। इसमें उनकी जिंदगी को गलत तरीके से दिखाया गया है। उस्तरा की बेटी ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला और डायरेक्टर विशाल भारद्वाज के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हुसैन शेख (जो हुसैन उस्तरा के नाम से मशहूर थे) की बेटी सनोबर शेख ने फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला, डायरेक्टर विशाल भारद्वाज और जर्नलिस्ट-लेखक हुसैन जैदी के खिलाफ सिविल कोर्ट में एक केस दायर किया है। इस केस पर 6 फरवरी को सुनवाई होगी। बता दें कि फिल्म 'ओ रोमियो' में एक्टर शाहिद कपूर ने उस्तरा का रोल निभाया है। यह फिल्म जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' पर आधारित है।

यह एक्शन थ्रिलर फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसकी रिलीज से पहले सनोबर शेख के मुकदमे में दावा किया गया है कि नाडियाडवाला और भारद्वाज उनके दिवंगत पिता की बायोग्राफी पर आधारित एक फिल्म के प्रोडक्शन और डायरेक्शन में शामिल हैं। वकील डी वी सरोज के जरिए दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि फिल्म 'ओ' रोमियो' कमर्शियल और पैसे कमाने के मकसद से बनाई जा रही थी और वादी (सनोबर शेख) से पहले कोई सहमति नहीं ली गई। सनोबर शेख ने कहा कि फिल्म की कहानी पूरी तरह से उनके पिता पर आधारित है, जिन्हें एक गैंगस्टर के तौर पर दिखाया गया है।

महाराष्ट्र के 132 स्टेशनों का रिडेवलपमेंट होगा: प्रदीप कुमार

मुंबई : केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को आम बजट पेश किया। इस बजट में रेलवे के लिए 2.78 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट दिया गया। इस बजट से रेलवे सुरक्षा, आधुनिकीकरण और यात्री सुविधा के कार्यों को और गति मिलेगी। सोमवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय बजट में महाराष्ट्र को 23,926 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। रेल मंत्री द्वारा दी गई इस जानकारी पर आईएएनएस से पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक प्रदीप कुमार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जैसे बताया है कि महाराष्ट्र के लिए करीब 24 हजार करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस बजट में महाराष्ट्र के 132 स्टेशनों का रिडेवलपमेंट होगा।

उन्होंने बताया कि डंकुनी (पश्चिम बंगाल) से सूरत (गुजरात) को जोड़ने वाला नया डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर देश में निर्बाध ईस्टवेस्ट व्यापार, बेहतर लॉजिस्टिक्स दक्षता और औद्योगिक विकास को नई दिशा देगा। हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड रेल नेटवर्क दूरियों को कम समय में तय करने के लिए बनाए जा रहे हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट प्रगति पर है। इस बजट में सात नए हाई-स्पीड रेल नेटवर्क की घोषणा की गई है, जिनमें मुंबई से पुणे और पुणे से हैदराबाद के लिए हाई-स्पीड कॉरिडोर शामिल हैं। इससे मुंबई से पुणे की यात्रा मात्र 48 मिनट की रह जाएगी। इलेक्ट्रिक ट्रेन का जिक्र करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिफिकेशन होना रेलने में होना पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इससे देश की डीजल और तेल पर निर्भरता कम होती है, जो समग्र अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी है। बुलेट ट्रेन के बारे में उन्होंने बताया कि सरकार का मुख्य फोकस बुलेट ट्रेन पर है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हाई-स्पीड रेल ही कहा जाता है। ये ट्रेनें 300 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की रफ्तार से चलती हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के बारे में उन्होंने बताया कि 2026 तक कुछ सेक्शन पूरे कर लिए जाएंगे और 2027 तक गुजरात का हिस्सा पूरा हो जाएगा। चर्चगेट रेलवे स्टेशन पर मेरा टिकट, मेरी शान-विकसित भारत के लिए मेरा योगदान अभियान चलाया गया।

ठाणे: मिलन हिल बिल्डिंग में आग लगने से 2 लोग घायल... 70 से ज्यादा लोगों को बचाया गया

ठाणे: एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक 18-मंजिला रिहायशी इमारत के इलेक्ट्रिक डक्ट में आग लगने से दो लोग घायल हो गए और 70 से ज्यादा फंसे हुए लोगों को बचाया गया। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि शास्त्री नगर इलाके में मिलन हिल बिल्डिंग की 10वीं मंजिल पर सुबह 4.14 बजे आग लगने की सूचना मिली। अधिकारी ने बताया कि आग 10वीं और 13वीं मंजिल के बीच इलेक्ट्रिक डक्ट में फैल गई, जिससे इमारत के अंदर भारी धुआं भर गया। धुएं के कारण लगभग 70 निवासी फंस गए थे और बाद में उन्हें फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन कर्मचारियों ने बचाया। तडवी ने बताया कि 62 और 74 साल के दो निवासियों को जलने की चोटें आईं और उन्हें प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

मुंबई : ओशिवारा में मेगा मॉल के पास नाला साफ करते समय 1 की मौत, दूसरा घायल...

मुंबई : मंगलवार तड़के ओशिवारा के मेगा मॉल के पास एक गहरी ड्रेनेज लाइन के अंदर एक मजदूर की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई, जिससे एक रूटीन नाली सफाई का काम जानलेवा बन गया। इस बीच, एक और मजदूर को मामूली चोटें आईं और बाद में उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। यह घटना तब हुई जब सलिल रजाक गाजी (27) और साहिल नूर इस्लाम (30) नाम के दो लोग सफाई अभियान के तहत एक संकरी, गहरी नाली में घुसे। पाइप के अंदर काम करते समय, कथित तौर पर दोनों को सांस लेने में गंभीर दिक्कत होने लगी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद कंपनी के कर्मचारियों ने तुरंत इमरजेंसी सेवाओं को अलर्ट किया और रस्सियों की मदद से बचाव की कोशिश की। जब तक मुंबई फायर ब्रिगेड के कर्मचारी पहुंचे, तब तक एक मजदूर को पहले ही बाहर निकाल लिया गया था। इसके बाद फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने दूसरे मजदूर को नाली के अंदर से निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया।

दोनों लोगों को इमरजेंसी इलाज के लिए ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने सलिल रजाक गाजी को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया। साहिल नूर इस्लाम, जिन्हें अपेक्षाकृत मामूली चोटें आई थीं, उनका इलाज किया गया और हालत स्थिर होने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। अधिकारियों ने ळडकको बताया कि नाली लगभग 25 से 30 फीट लंबी और लगभग छह फीट चौड़ी थी। माना जा रहा है कि सीमित जगह और जहरीली गैसों की मौजूदगी के कारण दम घुटने से मौत हुई, हालांकि सही कारण आगे की जांच के बाद ही पता चलेगा।

मुंबई : पंचायत चुनाव लड़ने के लिए पिता ने बेटी को नहर में धक्का देकर मार डाला...

मुंबई : एक आदमी ने कथित तौर पर तेलंगाना के निजामाबाद में अपनी 6 साल की बेटी को नहर में धक्का देकर मार डाला, क्योंकि अगर उसके दो से ज्यादा बच्चे होते तो उसे चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं मिलती। मारी गई लड़की की पहचान प्राची (6) के रूप में हुई है और उसे मारने वाले आरोपी की पहचान पांडुरंगा कोंडमंगले (28) के रूप में हुई है। वह नांदेड़ ज़िले के मुकेड तालुका के केरूर गांव का रहने वाला है। पता चला है कि आरोपी आने वाले ग्राम पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था।

निजामाबाद पुलिस ने इस मामले में आरोपी पांडुरंग और गांव के सरपंच गणेश रामचंद्र शिंदे को गिरफ्तार किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए निजामाबाद पुलिस कमिश्नर पी. साई चैतन्य ने कहा कि लड़की का शव कुछ दिन पहले येडापल्ली में निजाम सागर नहर में मिला था। पुलिस ने उसके पिता से पूछताछ की। उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करते हुए कहा कि उसका इलाज एक हेल्थ सेंटर में चल रहा था। जांच अधिकारी द्वारा पूछताछ करने पर उसने अपनी बेटी को मारने की बात कबूल कर ली।

गांव में सैलून चलाने वाले पांडुरंगा ने आने वाले पंचायत चुनाव लड़ने की योजना बनाई थी। उसके तीन साल का एक बेटा और छह साल की जुड़वां बेटियां थीं। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए दो बच्चों के नियम के कारण वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो गया था। उसने इस मामले पर अपने दोस्त और मौजूदा गांव के सरपंच गणेश शिंदे से बात की और जुड़वां बेटियों में से बड़ी प्राची को कहीं छोड़ने का फैसला किया। फिर, यह सोचकर कि अगर वह वापस आ गई तो दिक्कत होगी, उसने उसे नहर में धक्का दे दिया और इसे एक दुर्घटना दिखाने की कोशिश की।

मुंबई : वेस्टर्न रेलवे द्वारा 325 डिजिटल ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन जोड़ने से टिकट की कतारें कम होंगी

मुंबई : लोकल ट्रेन का टिकट लेना अब और भी तेज और आसान होने वाला है, क्योंकि वेस्टर्न रेलवे अपने सबअर्बन नेटवर्क पर 325 नई ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन लगा रहा है। इस कदम का मकसद टिकट काउंटरों पर लंबी कतारों को काफी कम करना और ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को डिजिटल और सेल्फ सर्विस टिकटिंग ऑप्शन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। नई ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्टेशन परिसर और फुट ओवरब्रिज पर लगाई जाएंगी, जिससे पीक ट्रैवल घंटों के दौरान बेहतर एक्सेस मिल सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि अपग्रेडेड मशीनें ट्रांजैक्शन तेजी से प्रोसेस करेंगी और आसान डिजिटल पेमेंट ऑप्शन देंगी। इस पहल को औपचारिक रूप से चर्चगेट स्टेशन पर 'मेरा टिकट मेरी शान, आपके संत भारत के लिए मेरा योगदान' नाम के कैंपेन के तहत लॉन्च किया गया। इस कैंपेन का उद्घाटन वेस्टर्न रेलवे के जनरल मैनेजर प्रदीप कुमार ने किया, जिन्होंने रेलवे के आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय विकास में टिकट वाली यात्रा की भूमिका पर जोर दिया।

मुंबई : ST डिपो के पास रिहायशी इमारत में आग लगी...

मुंबई : मुंबई सेंट्रल रळ डिपो के पास एक रिहायशी बिल्डिंग में आग लग गई, जिससे दक्षिण मुंबई के भीड़भाड़ वाले इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मुंबई फायर ब्रिगेड को शाम 7.40 बजे दी गई और आग को शाम 6.05 बजे बुझा दिया गया। किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आग दूसरी मंजिल पर लगी BMC आपदा प्रबंधन सेल की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना मुंबई सेंट्रल में रळ डिपो के पास, सिटी सेंटर मॉल के सामने, कैलाश अपार्टमेंट में हुई। एक सिविक अधिकारी ने बताया, ''आग ग्राउंड प्लस छह मंजिला बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर लगी थी। यह लेवल 1 (मामूली घटना) थी, और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है।''

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com